



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण

## EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 10]

नई दिल्ली, बुधवार, जनवरी 8, 2014/पौष 18, 1935

No. 10]

NEW DELHI, WEDNESDAY, JANUARY 8, 2014/PAUSAH 18, 1935

## वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(विदेश व्यापार महानिदेशालय)

## सार्वजनिक सूचना

नई दिल्ली, 8 जनवरी, 2014

सं. 47 (आर.ई.-2013)/2009-2014

विषय : ऐसे दावों को प्रक्रियाबद्ध करना जहाँ नियांतक बीमा एजेंसियों द्वारा राशि प्राप्त करता है (बैंकों द्वारा नहीं)।

फा. सं. 01/93/180/40/एएम-14/पीसी-2(बी).—विदेश व्यापार नीति, 2009-14 के पैरा 2.4 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए महानिदेशक, विदेश व्यापार, एतद्वारा, प्रक्रिया पुस्तक खण्ड-I वर्ष 2009-14 के पैराग्राफ 2.25.2 में तत्काल प्रभाव से निम्नलिखित संशोधन करते हैं :

2. प्रक्रिया पुस्तक खण्ड-I के पैराग्राफ 2.25.2 के पश्चात् दो नए उप-पैरों 2.25.2 (क) एवं (ख) को जोड़ा जा रहा है। नए पैरों को निम्नानुसार पढ़ा जाएगा :

“2.25.2(क) एक आवेदक जो बीमा एजेंसी के माध्यम से नियांत प्रारंभ करता है वह संबंधित बीमा एजेंसी द्वारा जारी की गई राशि के प्रमाण के साथ संबंधित क्षेत्रीय प्राधिकरण से संपर्क करेगा। क्षेत्रीय प्राधिकरण दावे की वास्तविकता से संतुष्ट होने के पश्चात् अपर महानिदेशक, विदेश व्यापार (ईडीआई) से अनुमोदन प्राप्त करेगा और उसके बाद मामले को प्रक्रियाबद्ध करने के लिए डीजीएफटी की ईडीआई प्रणाली में मूल्य (इबीआरसी मूल्य के एकज में) को अपलोड करेगा।

(ख) यदि बीमा एजेंसी द्वारा जारी राशि के भुगतान के प्रमाण में दावा-मूल्य का विवेशी मुद्रा तथा आईएनआर दोनों में उल्लेख किया जाता है तो क्षेत्रीय प्राधिकरण प्रक्रियाबद्ध करने के लिए विवेशी मुद्रा के मूल्य का उल्लेख करेगा। यदि दावा मूल्य का केवल समतुल्य आईएनआर मूल्य को बीमा दावे के निपटान की तिथि में लागू विनिमय दर (सीबीईसी द्वारा प्रकाशित) के अनुसार समतुल्य अमेरिकी डालर में परिवर्तित करेगा।

**इस सार्वजनिक सूचना का प्रभाव :** बीमा एजेंसी के माध्यम से नियांत प्रारंभ करने से संबंधित दावों को प्रक्रियाबद्ध करने हेतु एक प्रक्रिया प्रारंभ की जा रही है।

अनुप के. पूजारी, महानिदेशक, विदेश व्यापार

## MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF FOREIGN TRADE)

## PUBLIC NOTICE

New Delhi, the 8th January, 2014

No. 47 (RE-2013)/ 2009-2014

**Subject :** Processing of claims where an exporter gets payment by Insurance Agencies (not through banks).

**F. No. 01/93/180/40/AM-14/PC-2(B).**—In exercise of the powers conferred under Paragraph 2.4 of the Foreign Trade Policy, 2009-14, the Director General of Foreign Trade hereby makes the following amendment in paragraph 2.25.2 of the Handbook of Procedures (Vol. I) 2009-14 with immediate effect :

2. After para 2.25.2 of HBP (Vol.I) two new sub-para 2.25.2(a) & (b) are being added. The new Paras shall read as under :

“2.25.2 (a) An applicant realizing export proceeds through Insurance Agency will approach the concerned RA with the proof of payment issued by the concerned Insurance Agency. RA after satisfying itself of the bona fide of the claim will obtain approval of Additional DGFT (EDI) and then will upload the value (in lieu of eBRC value) in EDI system of DGFT for processing of the case.

(b) If the proof of payment issued by the Insurance Agency mentions claim value both in foreign exchange and INR, RA will use the foreign exchange value for processing. If the claim value is mentioned only in equivalent INR, RA will convert this INR value in equivalent US\$ using the exchange rate (published by CBEC) applicable on the date of settlement of insurance claim”.

**Effect of this Public Notice:** A procedure for processing of claims in respect of realization of export proceeds through insurance agency is being introduced.

ANUP K. PUJARI, Director General of Foreign Trade